

जनेप प्राधिकरण ने उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया; इलेक्ट्रिक बेड़े में बदलाव के साथ स्थिरता को आगे बढ़ाया

मुंबई, 15 अगस्त, 2024: जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन ने गुरुवार को देशभक्ति के जोश के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री उन्मेष शरद वाघ, आईआरएस, अध्यक्ष जनेप प्राधिकरण, के आगमन के साथ हुई। उनके आगमन पर, उन्हें जनेप प्राधिकरण में सी केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के वरिष्ठ कमांडेंट श्री राम मोहन द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

इस के बाद ध्वजारोहण और राष्ट्रगान हुआ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बोलते हुए, जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष, आईआरएस, श्री उन्मेष शरद वाघ ने कहा, "शुरुआत से ही, जनेप प्राधिकरण ने देश की नीली अर्थव्यवस्था को पंख दिए हैं। भारत के सबसे अच्छे प्रदर्शन वाले पत्तन से लेकर भारत के पहले 100% लैंडलॉर्ड मॉडल पत्तन तक, भारत के पहले पत्तन -आधारित एसईजेड को विकसित करने से लेकर भारत की पहली एकीकृत कृषि आयात-निर्यात सुविधा और भारत के पहले मेगा पोर्ट - वाढवण बंदर को भी जनेप प्राधिकरण द्वारा विकसित किया जाएगा। जनेप प्राधिकरण हमेशा देश के समुद्री और पत्तन क्षेत्र में बदलाव की अगुआई करने में एक कदम आगे रहता है।"

उन्होंने एमआयव्ही 2030 लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जनेप प्राधिकरण की स्थिरता पहलों और समुदाय की समृद्धि के लिए जनेप प्राधिकरण की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। जनेप प्राधिकरण ने सामाजिक बेहतरी पर केंद्रित 22 गैर सरकारी संगठनों और धर्मार्थ संगठनों के लिए अपने समर्थन की घोषणा की। अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के हिस्से के रूप में, जनेप प्राधिकरण इन संगठनों को आवश्यक धन मुहैया कराएगा, जिससे वे

अपने प्रयासों को बढ़ा सकेंगे और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में अधिक महत्वपूर्ण प्रभाव निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने जनेप प्राधिकरण के महीने-दर-महीने प्रदर्शन में वृद्धि को दोहराया।

जनेप प्राधिकरण अगले दो महीनों के भीतर अपनी सीएसआर पहल के तहत बुनियादी ढांचे के विकास की परियोजनाएं भी शुरू करेगा, जिसका लक्ष्य वाढवण बंदर और उसके आसपास के सभी गांवों को शामिल करना है। आज तक, आठ ग्राम पंचायतों ने आवश्यक कार्यों की अपनी सूचियाँ प्रस्तुत की हैं, और हमें उम्मीद है कि जल्द ही शेष पंचायतों से भी सूचियाँ प्राप्त होंगी।

व्हेसल टर्न अराउंड टाइम के मामले में जनेप प्राधिकरण दुनिया के शीर्ष बंदरगाहों में शुमार है और व्हेसल टर्न अराउंड टाइम को 22 घंटे तक कम करने में सफल रहा है। साथ ही, जनेप प्राधिकरण ने आयात-निर्यात अवधि और प्री-बर्थिंग प्रतीक्षा समय को कम करने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है।

इस प्रतिबद्धता के अनुरूप, इस कार्यक्रम ने जनेप प्राधिकरण की चल रही स्थिरता पहलों में एक प्रमुख मील का पत्थर भी चिह्नित किया। श्री उन्मेश शरद वाघ ने कंटेनर रेल संचालन (सीआरओ) के लिए जनेप प्राधिकरण के पहले बैटरी इलेक्ट्रिक टर्मिनल ट्रैक्टर (ई-आईटीवी) के शुभारंभ की घोषणा की। यह लॉन्च पतन की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है, जिसे इस साल की शुरुआत में मुंबई में जीरो एमिशन ट्रकिंग पर गोलमेज सम्मेलन में प्रकट किया गया था, ताकि अपने ट्रक बेड़े को डीजल से इलेक्ट्रिक पावर में परिवर्तित किया जा सके। अगले छह महीनों में, जनेप प्राधिकरण ने इंटर टर्मिनल रेल हैंडलिंग ऑपरेशंस (आईटीआरएचओ) पर चलने वाले 15 से अधिक ट्रकों को इलेक्ट्रिक टर्मिनल वाहनों (ई-आईटीवी) में परिवर्तित करने की योजना बनाई है। ई-आईटीवी, 100% बैटरी इलेक्ट्रिक टर्मिनल ट्रैक्टर है, जिसे भारी-भरकम कार्यों

के लिए डिज़ाइन किया गया है। एनर्जी इन मोशन द्वारा उपलब्ध कराया गया सहायक चार्जिंग बुनियादी ढांचा अब पूरी तरह से चालू हो गया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में जनेप प्राधिकरण के कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, साथ ही जनेप प्राधिकरण के टर्मिनल ऑपरेटरों में से एक एपीएम टर्मिनल के अधिकारियों को भी सफलता के 20 वर्ष पूरे करने पर सम्मानित किया गया। सभी जनेप प्राधिकरण लेबर ट्रस्टी, विभागाध्यक्ष (एचओडी), भागधारकों और जनेप प्राधिकरण कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाया।

जनेप प्राधिकरण के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों - एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी का संचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जेएनपीए पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्र के वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राफ्ट वाला, ग्रीनफील्ड पत्तन भी विकसित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने की संभावना है और इसकी स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in



JNPA Celebrates Independence Day with Enthusiasm; Advances Sustainability with Electric Fleet Transition

Mumbai, August 15, 2024: Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) India's Best Performing Port, celebrated Independence Day with patriotic zeal on Thursday. The Independence Day celebration commenced with the arrival of the chief guest Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA. Upon his arrival, he was presented with the 'Guard of Honour' by the CISF Senior Commandant, Shri Ram Mohan at JNPA.

The event was followed by the flag hoisting and the national anthem. Speaking at the occasion of Independence Day, Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA, stated, "Since inception, JNPA has given wings to the nation's blue economy. From being India's best-performing port to India's first 100% landlord model port, developing India's first port-led SEZ, to upcoming India's first integrated agri import-export facility, and India's first Mega Port - Vadhvan Port will also be developed by JNPA. JN Port is always a step ahead in spearheading the change in the country's maritime and port sector."

He further highlighted JNPA's sustainability initiatives to achieve the MIV 2030 target and JNPA's commitment to the prosperity of the community. JNPA announced its support for 22 NGOs and charitable organizations focused on societal betterment. As part of its Corporate Social Responsibility (CSR) initiatives, JNPA will provide essential funding to these organizations, enabling them to scale their efforts and create a more significant impact across various sectors, including education, healthcare, environmental sustainability, and social welfare. He reiterated JNPA's month-on-month performance growth.

JNPA will also commence infrastructure development projects under its CSR initiative within the next two months, targeting all villages in and around Vadhvan port. To date, eight-gram panchayats have submitted their lists of required works, and we anticipate receiving submissions from the remaining panchayats soon.



JNPA is ranked among the top ports in the world in terms of Vessel Turn Around Time and has succeeded in reducing the vessel turnaround time to 22 hours. At the same time, JN Port also made significant progress in reducing import-export dwell time and pre-berthing waiting time.

The event also marked a major milestone in JNPA's ongoing sustainability initiatives. Shri Unmesh Sharad Wagh announced the launch of JNPA's first Battery Electric Terminal Tractor (e-ITV) for Container Rail Operations (CRO). This launch is part of the port's ambitious plan, revealed earlier this year at the Round Table Convention on Zero Emission Trucking in Mumbai, to transition its truck fleet from diesel to electric power. Over the next six months, JNPA plans to convert more than 15 trucks operating on Inter Terminal Rail Handling Operations (ITRHO) to electric terminal vehicles (e-ITVs). The newly introduced e-ITV is a 100% battery electric terminal tractor designed for heavy-duty operations, with a Gross Combined Weight (GCW) capacity of up to 75,000 kg. It boasts a range of up to 200 KM on a full charge and can be fully recharged in just two hours. The supporting charging infrastructure, provided by Energy in Motion, is now fully operational.

The Independence Day celebration also observed the felicitation of the JNPA employees for their outstanding performance along with the felicitation of the officials from the APM Terminals as one of the terminal operators at JNPA for completing 20 years of success.

All the JN Port Labour Trustees, Head of Departments (HoDs), Stakeholders and JNPA Employees enthusiastically participated in the Independence Day event and made it a success.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.



Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be 100% green port since its inception.

For media enquiries, please contact:

JNPA:

Ambika Singh

Sr. Manager (Marketing), JNPA

Mob: +919920372677

E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in